PC-307 CV-19

M.A. HINDI (3rd SEM.)
Examination December 2020
Paper – II
ADHUNIK KAVYA

Time:Three Hours] **[Maximum Marks-080**
[Minimum Passing Marks-29

नोट : दोनो खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नो के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित है।
Note : Answer From Both the Section as Directed. The Figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1X10
   (1) 'कामायनी' में कितने सर्ग हैं ?
   (2) 'साकेत ' का क्या अर्थ है ?
   (3) 'साकेत' में कितने सर्ग है ?
   (4) छायावाद के चार स्तम्भ कौन कौन हैं ?
   (5) निराला के दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।
   (6) कवि त्रिलोचन का वास्तविक नाम बताइए।
   (7) मुक्त छन्द के प्रणेता कौन हैं ?
   (8) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔंध' की दो रचनाओं के नाम लिखिए।
   (9) मैथिलीशरण गुप्त किस युग के कवि हैं ?
   (10) हरिवंशराय बच्चन किस वाद के प्रवर्तक हैं ?
   (11) 'कुकरमुत्ता' का व्यंग्य किस पर हैं ?
   (12) 'कामायनी' के स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।
   (13) निराला को 'सरोज स्मृति' कविता किसकी याद में लिखी हैं ?
   (14) 'राम की शक्ति पूजा' का रचना काल क्या हैं ?
   (15) 'सॉनेट' किसका प्रिय छन्द हैं ?
2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 2X5
   (1) हरिऔध की काव्य कला
   (2) हरिवंशराय बच्चन का काव्य सौन्दर्य
   (3) करूणा की कवयित्री महादेवी शर्मा
   (4) जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर के जीवन और काव्य का परिचय
   (5) छायावाद की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।
   (6) राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवियों के नाम
   (7) कामायनी में रूपक तत्व
   (8) त्रिलोचन शास्त्री की काव्यगत विशेषताएँ

खण्ड–ब

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 7

(क) "वेदने, तू भी भली बनी!
पाई मैने आज तुझी में अपनी चाह घनी!
नई किरण छोड़ी है तूने, तू वह हीर–कनी,
सजग रहुं मैं, साल हृदय में, ओ प्रिय–विशिख– अनी!
ठंड़ी होगी देह न मेरी, रहे द्रुगम्बु, सनी,
तू ही उसे उष्ण रखेगी मेरी तपन मनी
आ अभावकी एक आत्मजे, और अदृष्टि जनी!
तेरी ही छाती है सचमुच उपमोचित स्तनी!"

अथवा

"नयनों को रोने दे मन, तू संकीर्ण न बन, प्रिय बैठे हैं,
ऑखों से ओझल हो, गए नहीं वे कहीं यहीं बैठे हैं।
ऑखें बता दे तू ही, तू हॅसती या यथार्थ रोती है ?
तेरे अधर–दर्शन ये, या तू भर अश्रुबिन्दु ढ़ोती है ?"

(ख) 'साकेत' के नवम् सर्ग के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

'साकेत' के नवम् सर्ग के आधार पर उर्मिला के चारित्रिक वैशिष्टय पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) "दुख की पिछली रजनी बीच, 7
विकसता सुख का नवल प्रभात।
एक परदा यह झीना नील,
छिपाये हैं जिसमें सुख गात।।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल।
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत इसको जाना भूल।।"

अथवा

"नारी! तुम केवल श्रध्दा हो,
विश्वास रजत कण पगतल में,
पीयूष–स्त्रोत सी बहा करो,
जीवन के सुन्दर समतल में।"

(ख) 'कामायनी' की दार्शनिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

महाकाव्य के रूप में 'कामायनी' का विवेचना कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) "उनविंश पर जो प्रथम चरण, 7
तेरा वह जीवन सिन्धु तरण।
तनये, ली कर दृक्पात तरूण,
जनक से जन्म की विदा अरूण।
गीते, मेरी, तज रूप नाम,
वर लिया अमर शाश्वत विराम।"

अथवा

"आया मौसम, खिला, फारस का गुलाब,
बाग पर उसका पड़ा था रोबोदाब;
वहीं गन्दे में उगा देता हुआ बुत्ता पहाड़ी से उठे सर ऐंठकर बोला कुकुरमुत्ता–
अबे, सून बे, गुलाब,
भूलमत जो पाई खुशबू, रंगोआब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
गल पर इतराता है केपीटलिस्ट।"

(ख) 'राम की शक्ति पूजा' के काव्य–सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

'कुकुरमुत्ता' कविता व्यंग्य की दृष्टि से अपूर्व रचना है, विवेचना कीजिए।

6. (क) हिन्दी साहित्य में हरिवंशराय बच्चन का स्थान निर्धारित कीजिए। 8

अथवा

त्रिलोचन शास्त्री के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) जगन्नाथ दास रत्नाकर के काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा 7

हरिऔध के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दीजिए।